प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 10 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

इस संसार को कार्यक्षेत्र कहा गया है। सारी सृष्टि कर्मरत है। छोटे से छोटा प्राणी भी कर्म का शाश्वत संदेश दे रहा है। प्रकृति के साम्राज्य में कहीं भी अकर्मण्यता के दर्शन नहीं हो रहे हैं। सूर्य, चंद्र, पृथ्वी, ग्रह–नक्षत्रादि निरंतर गतिशील हैं। नियमानुकूल सूर्योदय होता है और सूर्यास्त तक किरणें प्रकाश बिखेरती रहती हैं। रात्रिकालीन आकाश में तारावली तथा नक्षत्रावली का सौंदर्य विहँस उठता है। क्रमशः बढ़ती–घटती चंद्रकला के दर्शन होते हैं। इसी तरह विभिन्न ऋतुओं का चक्र अपनी धुरी पर चलता रहता है। नदियाँ अविरल गति से बहती रहती हैं।

पेड़–पौधों, पशु–पक्षियों सबके जीवन में सक्रियता है। मनुष्य का जन्म पाकर हाथ–पैर तो हिलाने ही होंगे। हमारे प्राचीन ऋषियों ने न केवल शतायु होने अपितु कर्म करते हुए जीने की इच्छा प्रकट की थी। इतिहास साक्षी है कि कितने ही भारतीय युवकों ने कर्मशक्ति के बल पर चंद्रगुप्त की भाँति शक्तिशाली साम्राज्यों की स्थापना की। आधुनिक युग में भारत जैसे विशाल जनतंत्र की स्थापना करने वाले गांधी, सुभाष, नेहरू, पटेल आदि कर्म पथ पर दृढ़ता के ही प्रतिरूप थे। दूसरी ओर इतिहास उन सम्राटों को भी रेखांकित करता है, जिनकी अकर्मण्यता के कारण महान साम्राज्य नष्ट हो गए। वेद, उपनिषद, कुरआन, बाइबिल आदि सारे धर्म–ग्रंथ कर्मठ मनीषियों की ही उपलब्धियाँ हैं। आधुनिक ज्ञान–विज्ञान की गौरव–प्रतिमा उन वैज्ञानिकों की देन है जिन्होंने साधना की बलि–वेदी पर अपनी हर साँस समर्पित कर दी। विज्ञान कर्म का साक्षात् प्रतीक है। सुख–समृद्धि के शिखर पर आसीन प्रत्येक व्यक्ति अथवा जाति अपनी कर्म–शक्ति का परिचय देती है।

1. सृष्टि के कर्मरत होने को किन माध्यमों से समझाया गया है? 2
   उत्तर : सृष्टि के कर्मरत होने को सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी, नदियाँ और तारामण्डल आदि के माध्यम से समझाया गया है। प्रकृति की ये सारी शक्तियाँ गतिशील और अपने कर्तव्य–कर्म में रत है।
2. कर्मशक्ति के बल पर युवाओं ने क्या कर दिखाया? 2
   उत्तर : कर्मशक्ति के बल पर चंद्रगुप्त जैसे युवाओं ने अखण्ड भारत की स्थापना की। युवाओं ने समय–समय पर देश को एकसूत्र में रखने में अहम भूमिका निभाई है।
3. कर्म के बारे में भारतीय विचारकों की क्या मान्यता है? 2
   उत्तर : भारतीय विचारक और हमारे प्राचीन ग्रंथ, वेद, पुराण आदि सदैव, अनुशासित, परोपकारी और कर्मशील रहने की प्रेरणा देते हैं। वे हमें कर्म करते हुए जीना सिखाते हैं।
4. कर्म का साक्षात प्रतीक किसे बताया गया है? 2
   उत्तर : विज्ञान को कर्म का साक्षात प्रतीक कहा गया है क्योंकि विज्ञान में कर्म की ही महत्ता है। वैज्ञानिकों ने भी कर्म को आधार बनाकर खोजें की हैं।
5. **शतायु** शब्द का संधि विच्छेद कीजिए। 1
   उत्तर : शतायु = शत + आयु
6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1
   उत्तर : कर्म–शक्ति।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. रेखांकित शब्द कहाँ शब्द है और कहाँ पद? बताइए। 1

1. महेश, संगीता, हम लोग
2. संगीता नृत्य सीख रही है।

उत्तर : 1. शब्द एवं 2. पद।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए। $1 \times 3 = 3$

1. जब उसने भाषण शुरू किया तो तालियों की गड़गड़ाहट से उसका स्वागत हुआ। (संयुक्त वाक्य में)
उत्तर : उसने भाषण शुरू किया और तालियों की गड़गड़ाहट से उसका स्वागत हुआ।
2. राष्ट्रगान शुरू हुआ और सब खड़े हो गए। (मिश्र वाक्य में)
उत्तर : जैसे ही राष्ट्रगान शुरू हुआ, वैसे ही सब खड़े हो गए।
3. जहाँ दो नदियाँ मिलती हैं, उस स्थान को संगम कहते हैं। (सरल वाक्य में)
उत्तर : दो नदियों के मिलने के स्थान को संगम कहते हैं।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
शताब्दी, प्रेमसागर
उत्तर : शताब्दी– सौ वर्षों का समाहार (द्विगु समास)
प्रेमसागर– प्रेम रूपी सागर (कर्मधारय समास)
2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$
तीन भुजाओं का समाहार, महान है जो पुरूष
उत्तर : तीन भुजाओं का समाहार– त्रिभुज (द्विगु समास)
महान है जो पुरूष– महापुरूष (कर्मधारय समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. मैं फल खाया।
उत्तर : मैंने फल खाया।
2. उन्होंने सिफारिश करी।
उत्तर : उन्होंने सिफारिश की।
3. आप क्या कहे थे?
उत्तर : आप क्या कह रहे थे।
4. मुझे केवल दस रुपये मात्र मिले।
उत्तर : मुझे मात्र दस रुपये मिले।

6. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए। $1 \times 4 = 4$

1. पाँव उखड़ जाना
उत्तर : अचानक हुए आक्रमण के कारण शत्रु सेना के पाँव उखड़ गए।
2. मुट्ठी गरम करना।
उत्तर : इस कार्यालय में अधिकारियों की मुट्ठी गरम किए बिना कोई काम नहीं कराया जा सकता।
3. दाल में काला होना।
उत्तर : गवाह के बार–बार बदलने से लग रहा है कि दाल में कुछ काला है।
4. आकाश–पाताल एक करना।
उत्तर : परीक्षा में प्रथम आने के लिए विनिता ने आकाश–पाताल एक कर दिया।

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. जापानी **टी सेरेमनी** क्या होती है? इसके क्या–क्या लाभ हैं?
उत्तर : जापानी **टी सेरेमनी** चाय पीने का एक उत्सव है जो जापान में मनाया जाता है। इस उत्सव में एक बार में केवल दो–तीन लोग ही भाग लेते हैं। इस विधि में शांति मुख्य बात होती है। चाय की चुस्की लेते हुए अपने अतीत भविष्य से दूर होकर अपने वर्तमान में जीते हैं।
2. सआदत अली कौन था? उसने वजीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?
उत्तर : सआदत अली अवध के नवाब आसिफउद्दौला का भाई था। आसिफउद्दौला का कोई लड़का नहीं था। सआदत अली अवध का उत्तराधिकारी था परन्तु जब आसिफउद्दौला के घर वजीर अली का जन्म हुआ, तब सआदत अली ने उसे अपनी मौत समझा क्योंकि अब अवध को वजीर अली के रूप में उत्तराधिकारी मिल गया।
3. **अब कहाँ दूसरों के दुख में दुखी होने वाले**, पाठ के आधार पर बताइए कि दुनिया के विषय में क्या–क्या सवाल उठते हैं?
उत्तर : दुनिया के विषय में कई सवाल उठते हैं कि यह दुनिया अस्तित्व में कैसे आई? कैसे यह दुनिया बनी? इस दुनिया की यात्रा किस धुरी से आरंभ हुई? यह संसार अपने इस रूप में आने से पहले कैसा था? आदि।
4. काठगोदाम के पास भीड़ क्यों इकट्ठी हो गई थी?
उत्तर : काठगोदाम के पास एक कुत्ते ने एक सुनार की उँगली काट खाई थी। वह चीखता भागता चला आ रहा था। उसने कुत्ते की पिछली टाँग पकड़ ली थी और वह उसे मार रहा था। कुत्ता मार खाकर और भीड़ के डर से चिल्ला रहा था। ख्यूक्रिन और कुत्ते की आवाजें सुनकर लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई थी।

8. तताँरा वामीरो से क्षमा–याचना क्यों कर रहा था? 80–100 शब्दों में बताइये। 5

उत्तर : तताँरा वामीरो का गीत सुनकर मंत्र–मुग्ध हो गया। वामीरो के द्वारा बार–बार उसका परिचय पूछे जाने पर भी वह उसे उत्तर नहीं देता और उसे गाने को कहता है। इसी बात पर वामीरो झुँझलाकर नाराज होकर जाने लगती है। तताँरा इसको सहन नहीं कर पाता और वामीरो से अपनी ढीठता के लिए क्षमा माँगता है। वह उसका नाम जानना चाहता है और दोबारा उसे अपने पास बुलाना चाहता है। इसी कारण उससे क्षमा–याचना करते हुए उसे पुनः आने के लिए कहता है।

अथवा

डायरी का एक पन्ना पाठ के आधार पर 80–100 शब्दों में बताइए कि इस संग्राम को ओपन लड़ाई की संज्ञा क्यों दी गई?

उत्तर : अंग्रेज सरकार ने नोटिस निकालकर विभिन्न धाराओं के तहत जुलूस में भाग लेने वालों को दोषी ठहराने की बात कही थी परन्तु कौंसिल ने अपने मोनुमेंट के नीचे ठीक चार बजे झंडा फहराने तथा प्रतिज्ञा पत्र पढ़ने की बात कही। कौंसिल ने अंग्रेज सरकार को खुली चुनौती दी थी। इतनी बड़ी चुनौती सीधी टक्कर में बदल गई और इतनी बड़ी सभा ऐसे खुले मैदान में हुई। सभा में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए। इस सभा का होना सरकार को खुली चुनौती देना था। इसलिए इस संग्राम को ओपन लड़ाई की संज्ञा दी गई।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. गोपियाँ श्रीकृष्ण की बाँसुरी क्यों छिपा देती है?

उत्तर : श्रीकृष्ण को बाँसुरी अत्यधिक प्रिय है। वे दिन–रात बाँसुरी को अपने साथ रखते हैं और वह उनके अधरों पर रहती है। जिस कारण गोपियों को उनसे बातचीत का अवसर नहीं मिल पाता। वे श्रीकृष्ण की बाँसुरी इसीलिए छिपा देती हैं ताकि श्रीकृष्ण उनसे बातचीत कर सकें।

2. कौन–कौन से तर्क देकर मीराबाई कृष्ण से दर्शन देन के लिए आग्रह कर रही है?

उत्तर : मीराबाई कृष्ण का दर्शन पाने के लिए विभिन्न प्रकार के तर्क प्रस्तुत कर रही हैं। वे कहती हैं कि कृष्ण उन्हें अपनी दासी बनाकर रख लें। दासी बनकर वह उनके लिए बाग लगाएँगी और रोज उठकर दर्शन करेंगी। वे वृंदावन के ऊँचे महल के विशाल आँगन में फुलवारी लगाना चाहती हैं। वे उनके दर्शन के लिए कुसुंबी साड़ी पहनने के लिए तैयार हैं। वे अपनी भाव भक्ति को अपनी सबसे बड़ी जागीर मानकर कृष्ण दर्शन की अभिलाषिणी हैं।

3. शहीद होने वाले सैनिक अपने साथियों से क्या कह रहे हैं?

उत्तर : सैनिक मरणासन्न होने तक अपने देश की रक्षा करते हैं। अपना बलिदान देने से पहले अपने साथियों से कहते हैं कि वे अपने प्राण देश पर न्योछावर करने जा रहे हैं। उनके बाद वे लोग अब देश की रक्षा करें।

4. पतंगा अपने क्षोभ को किस प्रकार व्यक्त कर रहा है?

उत्तर : पतंगा दीपक की लौ में जलना चाहता है परंतु वह जल नहीं पाता। वह अपना क्षोभ सिर धुन–धुनकर व्यक्त कर रहा है। पतंगा दीपक से बहुत स्नेह करता है और उसकी लौ पर मर–मिटना चाहता है जब वह यह अवसर खो देता है तब वह पछताकर अपना क्षोभ व्यक्त करता है। इसी प्रकार मनुष्य भी अपने अहंकार को त्यागकर परमात्मा को पाना चाहता है परंतु अहंकार के रहते वह ईश्वर को पाने में असफल रहता है।

10. आत्मत्राण कविता में कवि की प्रार्थना को आप किस रूप में देखते हैं? वह अन्य प्रार्थना, गीतों से हटकर क्यों है? 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर : **आत्मत्राण** कविता में कवि की प्रार्थना को सकारात्मक रूप से देखने की आवश्यकता है। कवि ईश्वर से विपदाओं में उसे बचाने की नहीं, अपितु विपदा में होने वाली घबराहट से बचाने की प्रार्थना करता है। यदि विपदा में चित्त न घबराए तो समझना चाहिए कि वह व्यक्ति पुरूषार्थ से युक्त हैं क्योंकि सुख–दुख तो धूप–छाँव की तरह होते हैं जिनसे कोई बचना भी चाहे तो नहीं बच सकता। इसी तरह संसार में लाभ की बजाय हानि उठानी पड़े तो भी मन विचलित न हो, ऐसी कवि की प्रार्थना है। यह प्रार्थना भी कवि के उदात्त व्यक्तित्व की झलक प्रस्तुत करता है। इस प्रकार आत्मत्राण कविता में की गई प्रार्थना अन्य प्रार्थना गीतों से कुछ हटकर हैं। अन्य प्रार्थना–गीतों में दुख दूर करने, संकट हर लेने तथा हर प्रकार की विपदाओं से बचाने की गुहार लगाई जाती है परन्तु यहाँ कवि ऐसा नहीं कर रहा। वह करूणामय से इतना भर चाहता है कि वे उसे विपदाओं के आने पर विचलित न होने का आशीर्वाद दें।

अथवा

पंत जी की कविता मानो प्रकृति को अपनी आँखों से देखने की अनुमति देती है, कविता के आधार पर अपने विचार 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : पंत जी की कविता में प्राकृतिक सौंदर्य के चित्रण के लिए जिन बिंबों का प्रयोग किया गया है, उनमें नवीनता के साथ भावनाओं का आवेग भी है। प्रकृति का स्वरूप निरंतर बदल रहा है, प्रतिक्षण नए–नए दृश्य हमारे सामने आ रहे हैं, और पाठक चाहे तो अपनी आँखों से उन दृश्यों को देखकर अपनी अनुभूति को उनके साथ जोड़ सकता है। कविता में बादल, निर्झर, शाल वृक्ष, तालाब, पर्वत आदि अत्यंत सजीव होकर नए नए स्वरूप में दिखाई देते हैं। कभी झरे का स्वर रोम–रोम को रोमांचित कर रहा है तो कभी पानी की बूँदें मोतियों के समान सुशोभित हो रही हैं। धुंध को देखकर ऐसा प्रतीत होता है मानो यह धुंध न होकर तालाब में जलने से उठने वाला धुआँ है। इस प्रकार प्रकृति के नए–नए दृश्यों को देखकर पाठकों के मन में कुछ नए विचार भी जन्म ले सकते हैं।

11.

1. हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे? 60–70 शब्दों में अपने विचार व्यक्त कीजिए। 3

उत्तर : हरिहर काका के भाइयों ने पहले तो उनकी खूब देखभाल की, उन्हें सिर आँखों पर बैठाया। फिर उन्होंने उनकी जमीन अपने नाम करने के लिए दबाव डाला। अंत में उन्होंने काका को खूब धमकाया, मारा पीटा और जबरदस्ती सादे कागजों पर उनके अँगूठे के निशान ले लिए।

इसी प्रकार हरिहर काका जब रूखी–सूखी खाते–खाते दुखी हो गए और एक दिन थाली फेंक दी, तब महंत उन्हें

बहुत समझा-बुझाकर अपने साथ ले गए। महंत ने भी पहले खूब खातिर की फिर उनकी जमीन ठाकुरबारी के नाम लिख देने का आग्रह करने लगे। काका ने जब ऐसा नहीं किया तब महंत ने भी उन्हें मार-पीटकर रस्सी से बाँधकर जबरदस्ती सादे कागजों पर उनके अँगूठे के निशान ले लिए। इस प्रकार हरिह काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के लगे।

2. हेडमास्टर शर्मा जी की चपत नमकीन पापड़ी जैसी लगती थी। प्यार की मार भी अच्छी लगती है। गुरु-शिष्य के संबंधों पर 60-70 शब्दों में विचार व्यक्त कीजिए। 3

उत्तर : गुरु-शिष्य के पवित्र संबंधों में शिष्य आजीवन गुरु से सीखता ही रहता है। प्यार से सिखाई गई बातें हृदय के भीतर तक समा जाती हैं और शिष्य प्रसन्न होकर सीखता है तथा जीवनपर्यन्त याद रखता है। हेडमास्टर शर्मा जी की नमकीन पापड़ी जैसी चपत को भी लेखक पसंद करते थे क्योंकि यह भी उनके प्यार को ही प्रदर्शित करती थी।

खण्ड-घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **देश की एकता और अखण्डता।**
   ✲ एकता से अखण्डता की भावना ✲ एकता में बाधाएँ ✲ बाधाएँ दूर करने के उपाय।
2. **आधुनिक शिक्षा और रोजगार।**
   ✲ शिक्षा का व्यावसायीकरण ✲ रोजगार के अवसर ✲ नैतिक मूल्य।
3. **ग्लोबल वार्मिंग।**
   ✲ धरती पर बढ़ता तापमान ✲ बदलता मौसम ✲ समस्या के कारण ✲ समाधान।

उत्तर :

1. देश की एकता और अखण्डता

भारत एक विशाल देश है तथा विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक गणराज्य है। भारत की संस्कृति अत्यंत प्राचीन है तथा अनेक प्रकार की विशेषताओं से भरी हैं। विश्व में संभवतः यही अकेला देश है जिसमें इतनी विविधताएँ विद्यमान हैं। भारत में अनेक भाषाएँ, धर्म, संस्कृति, जीवन-शैलियाँ, विचारधाराएँ, मत-मतांतर, वर्ग-संप्रदाय विद्यमान हैं। दुनिया के प्रायः सभी धर्म यहाँ फल-फूल रहे हैं। यही नहीं, रंग-रूप, खान-पान, रहन-सहन तथा रीति-रिवाज के स्तर पर भी भारत में पर्याप्त विविधता के दर्शन होते हैं। इतनी विविधताएँ होने के बावजूद भारत में एकता विद्यमान है। अनेकता में एकता भारतीय संस्कृति की अनूठी विशेषता है। उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम तक विचारों, जीवनदर्शन, व्रत, पूजा-पाठ, त्योंहार-तीर्थाटन आदि से सुदृढ़ एकता पाई जाती है। रामायण, महाभारत, वेद, उपनिषद आदि ने भारत के प्रत्येक भाग को प्रभावित किया है। गंगा जैसी पवित्र नदी ने भारत को एकता के सूत्र में बाँध रखा है। भारत की एकता में सबसे बड़ी बाधा राजनैतिक षडयन्त्रों की है। आज दुर्भाग्य से क्षेत्रीयता, धर्म तथा नदियों के जल विवाद के कारण राष्ट्रीय एकता को आघात पहुँच रहा है। राजनीतिक दृष्टि से अल्पसंख्यक, बहुसंख्यक, हरिजन, सवर्ण, पिछड़ा वर्ग आदि की राजनीति के कारण राष्ट्रीय एकता में बाधा उत्पन्न हो रही है। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि इन संकीर्ण भावनाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता को पुष्ट करें।

2. आधुनिक शिक्षा और रोजगार

आधुनिक शिक्षा अपने परम्परागत ज्ञानमूलक और उपदेशात्मक स्वरूप से परे हटकर रोजगारपरक हो गई। आधुनिक शिक्षा और रोजगार एक दूसरे से इस तरह से जुड़ गए हैं कि इसका व्यावसायीकरण हो गया है। विद्यार्थी मोटी फीस भरकर शिक्षा ग्रहण करते हैं ताकि शिक्षा पूरी होते ही उन्हें कहीं न कहीं रोजगार मिल जाए। सच तो यह है कि आजकल विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के ढेरों अवसर उपलब्ध हैं और जितना कमाऊ रोजगार उतनी ही ऊँची शिक्षा की फीस। सरकारी और निजी शिक्षा संस्थान मोटी फीस लेकर युवक-युवतियों को तकनीकी शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। व्यावसायिक शिक्षा के इस युग में नैतिक मूल्यों का बहुत कम स्थान रह गया है। नैतिक मूल्यों को शिक्षा से हटाकर व्यक्ति के निजी विवेक पर छोड़ दिया गया है। इस प्रकार आधुनिक शिक्षा रोजगारपरक तो हैं परन्तु मूल्यपरक नहीं है।

3. ग्लोबल वार्मिंग

ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ है पृथ्वी के औसत तापमान में वृद्धि। वायुमण्डल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ने से ग्लोबल वार्मिंग का खतरा है। ओजोन परत के क्षरण से भी पृथ्वी पर तापमान बढ़ने का खतरा है। ओजोन परत हमारी धरती के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करती है और यह सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों को आने से रोकती है। क्लोरा-फ्लोरो-कार्बंस के कारण ओजोन पर में छेद हो रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप पराबैंगनी किरणें सीधी धरती परत आएँगी, पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, अनेक रोग फैलेंगे और अनेक प्राकृतिक आपदाओं जैसे- बाढ़, सूखा, हिमक्षरण आदि के दुष्परिणाम सामने आएँगे। ग्लोबल वार्मिंग से न केवल मनुष्य, बल्कि जीव-जंतु और पौधे भी प्रभावित होंगे। ग्लेशियर पिघलने से समुद्र का जल-स्तर बढ़ेगा और समुद्री तटवर्ती क्षेत्रों के जलमग्न होने की आशंका भी बढ़ेगी। ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव से पृथ्वी को बचाने के लिए जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करना होगा। वैकल्पिक ऊर्जा के स्रोतों का पता लगाकर उनका उपयोग करना होगा, क्लोरो-फ्लोरो-कार्बंस की मात्रा पर अंकुश लगाना होगा, ग्रीन हाउस गैसों को बढ़ने से रोकना होगा, वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देना होगा और वन-संरक्षण के लिए युद्ध स्तर पर कदम उठाने होंगे।

13. अपने क्षेत्र में एक पार्क विकसित कराने के लिए निगम अधिकारी को एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
सचिव,
दिल्ली विकास प्राधिकरण,
दिल्ली।
दिनांक : 26 जून, 2019
विषय : पार्क के विकास हेतु अनुरोध।
महोदय,

मैं आपका ध्यान अपनी कॉलोनी में पार्क के लिए आवंटित भूमि के उस टुकड़े की ओर दिलाना चाहता हूँ, जिस पर **पार्क का विकास** का बोर्ड तो लगा है, पर वह अधिकारियों की उपेक्षा का शिकार बना हुआ है।

हमारी कॉलोनी में ले–देकर यही एक भूमि का टुकड़ा है, जहाँ कुछ पेड़ लगे हुए हैं। यह स्थान कॉलोनी के हजारों लोगों के लिए तभी वरदान बन सकता है, जब आपकी कृपा से इसका विकास हो। हमारा सुझाव है कि इसके चारों ओर दीवार बनाई जाए, ताकि आवारा पशु अंदर न आ सकें। पार्क के अंदर चारों ओर नए पेड़, रंग–बिरंगे सुगंधित फूलों के पौधे और बीचोंबीच हरी–हरी घास लगाई जाए। पार्क के एक कोने में बच्चों के लिए तरह–तरह के झूले लगाएँ जाएँ।

इस पार्क का विकास हो जाए तो लोग सुबह सवेरे पार्क में सैर का आनंद ले सकेंगे और सायं को बच्चे खेल–कूद का आनंद लाभ कर सकेंगे। हमें आशा है कि आप शीघ्र ही इस उपेक्षित पार्क को सही रूप देने की व्यवस्था करेंगे।

सधन्यवाद।
भवदीय
विकास कॉलोनी क्षेत्र के निवासीगण।

अथवा

आपने किसी पुस्तक विक्रेता से पुस्तकें मँगवाईं थीं किन्तु अभी तक पुस्तकें नहीं मिलीं। पुस्तक विक्रेता को एक शिकायती पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

व्यवस्थापक
विनय प्रकाशन,
दरियागंज,
दिल्ली।
दिनांक : 02 सितम्बर, 2019
विषय : पुस्तकें न मिलने के संबंध में।
महोदय,

कृपया मेरे पत्र दिनांक 13.08.2019 का पुनः अवलोकन करने का कष्ट करें। उस पत्र द्वारा मैंने कुछ पुस्तकें वी.पी.पी. द्वारा भेजे जाने का आग्रह किया था तथा पुस्तकों के मूल्य की अग्रिम धनराशि के रूप में ₹200 का डिमांड ड्राफ्ट (क्रमांक 1255759, दिनांक 12.08.2019, नेशनल बैंक, पश्चिम विहार, नई दिल्ली) भी संलग्न किया था।

मुझे आश्चर्य है कि अभी तक ये पुस्तकें मुझे प्राप्त नहीं हुई हैं। अतः आपसे अनुरोध है कि मुझे वांछित पुस्तकें तत्काल भिजवाने का कष्ट करें।

धन्यवाद।
भवदीय
विवेक शर्मा,
डी–112, सुभाष नगर,
भरतपूर, राजस्थान।

14. प्रधानाचार्य की ओर से विद्यालय में स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने जा रही खेल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु सूचना 40–50 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल, ग्वालियर

सूचना

दिनांक : 05 अप्रैल, 2019
विषय : विद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में खेल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु।
विद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 20 अप्रैल, 2019 को अंतर्विद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें अनेक विद्यालयों से क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी और खो–खो की टीमें भाग लेंगी। खिलाड़ी छात्र खेल अध्यापक श्री नरेन्द्र मोहन से संपर्क करें।

हस्ताक्षर
रविन्द्र भट्टाचार्य
प्रधानाचार्य

अथवा

विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाने के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम के निर्धारण हेतु सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों की बैठक के लिए समय, स्थान आदि के विवरण सहित सूचना लगभग 40–50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

आदर्श विद्या मन्दिर, नई दिल्ली

सूचना

दिनांक : 16 अगस्त, 2019
आदर्श विद्या मन्दिर, साकेत विहार, नई दिल्ली के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में स्वच्छता अभियान के संचालन के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम के निर्धारण का निर्णय लिया गया है।

इस संबंध में सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों की एक बैठक दिनांक 30 अगस्त, 2017 को सायं चार बजे विद्यालय के स्वागत कक्ष में आयोजित की गई है। सभी कक्षाओं के प्रतिनिधि निर्धारित समय पर इस बैठक में अपनी-अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

हस्ताक्षर
स्वच्छता प्रभारी
दिनांक : 16 अगस्त, 2019

15. बुखार से पीड़ित रोगी और चिकित्सक के बीच संवाद को लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

रोगी : नमस्ते डॉक्टर साहब, मुझे कल से तेज बुखार है।

चिकित्सक : नमस्ते! जरा अपनी जीभ तो दिखाओ। हूँ, क्या प्यास तेज लगती है?

रोगी : हाँ डॉक्टर साहब, बहुत प्यास लगती है। बेचैनी और कमर दर्द भी है।

चिकित्सक : चिंता की कोई बात नहीं, बुखार ज्यादा है, इसलिए प्यास और बेचैनी रहती होगी। मैं दो दिन की दवाइयाँ देता हूँ। जल्दी ही आराम मिल जाएगा। बिस्कुट, डबल रोटी आदि कुछ खाकर दवाइयाँ लेनी हैं।

रोगी : बहुत अच्छा डॉक्टर साहब। यह रही आपकी फीस।

अथवा

समाज में अपना आधिपत्य स्थापित कर चुके रियलिटी शो का बच्चों पर बढ़ता प्रभाव पर दो माताओं की बातचीत को लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

पहली माता : बहन, क्या बताऊँ, इस रियलिटी शो ने तो हमारे बच्चों को बिगाड़ कर रख दिया है। वे ऐसी-ऐसी जिद पकड़कर बैठ जाते हैं कि पूछो मत!

दूसरी माता : इस तरह के कार्यक्रम बनाने वालों को हमारे बच्चों के बारे में तो कुछ सोचना चाहिए।

पहली माता : वे भला क्यों सोचें! उन्हें तो ग्लैमर, शोहरत और पैसे से मतलब है। फिर चाहे इसके लिए पश्चिम की कितनी भी नकल क्यों न करनी पड़े।

दूसरी माता : हम तो बस इतना कर सकते हैं कि इन कार्यक्रमों से अपने बच्चों को दूर रखें।

दूसरी माता : बहन, तुम ठीक कह रही हो, पर बच्चे मानें भी तब न!

16. नीचे दिए गए स्थान में लड़कियों की घटती संख्या के बारे में जन-जागरूकता लाने के उद्देश्य से एक आकर्षक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

आओ घर-घर अलख जगाये
कन्या-संतान को गले लगायें।

बिटिया जब तक
दुनिया तब तक

कन्या भ्रूण हत्या बन्द करो,
ये महापाप है।

कन्या भ्रूण हत्या को रोककर लड़कियों की घटती संख्या पर रोक लगाने में अपना सहयोग दें।

अथवा

आपका फियो कार का शोरूम है। अक्षय तृतीया के अवसर पर कार के ऑफर के लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

छूट	छूट	छूट

अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में

रखे समय का ख्याल बढ़ाए हर जगह अपनी शान
जिसकी अपनी ही पहचान

फियो कार

जल्दी कीजिए मौका छूट न जाए
सबकी पसंद फियो कार

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online